# प्रलिम्सि फैक्ट्स : 15 मार्च, 2021

- साहित्य अकादमी पुरस्कार

## साहित्य अकादमी पुरस्कार

## Sahitya Akademi Award

हाल ही में मराठी लेखिका नंदा खरे ने वर्ष 2014 में लिखे गए अपने उपन्यास "उद्या" (**Udya**) के लिये साहित्य अकादमी पुरस्कार स्वीकार करने से इनकार कर दिया।

## प्रमुख बिंदु

**साहित्य अकादमी पुरस्कार के बारे में:**

- साहित्य अकादमी पुरस्कार वर्ष 1954 में स्थापित, एक साहित्यिक सम्मान है। यह पुरस्कार **साहित्य अकादमी (नेशनल एकेडमी ऑफ लेटर्स)** द्वारा **प्रतिवर्ष** प्रदान किया जाता है।
- अकादमी द्वारा **प्रत्येक वर्ष** अपने द्वारा **मान्यता प्रदत्त 24 भाषाओं में** साहित्यिक कृतियों के साथ ही इन्हीं भाषाओं में परस्पर साहित्यिक अनुवाद के लिये भी पुरस्कार प्रदान किये जाते हैं।
- भारत के संविधान में शामिल **22 भाषाओं के अलावा**, साहित्य अकादमी ने **अंग्रेज़ी तथा राजस्थानी** को भी उन भाषाओं के रूप में मान्यता दी है जिसमें अकादमी के कार्यक्रम को लागू किया जा सकता है।
- साहित्य अकादमी पुरस्कार, **ज्ञानपीठ पुरस्कार के बाद** भारत सरकार द्वारा प्रदान किया जाने वाला **दूसरा सबसे बड़ा साहित्यिक सम्मान** है।

**पुरस्कार विजेता के चयन हेतु मानदंड:**

- लेखक के पास अनिवार्य रूप से भारतीय राष्ट्रीयता होनी चाहिये।
- पुरस्कार के लिये पात्र पुस्तक/रचना का संबंधित भाषा और साहित्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान होना चाहिये।
- जब दो या दो से अधिक पुस्तकों के लिये समान योग्यता पाई जाती है, तो पुरस्कार की घोषणा हेतु कुछ निश्चित मानदंडों जैसे- साहित्य के क्षेत्र में कुल योगदान तथा लेखकों की स्थिति/प्रतिष्ठा आदि को ध्यान में रखा जाता है।

**मराठी उपन्यास 'उद्या' के विषय में:**

- यह वर्तमान पूंजीवादी और मशीन चालित मानव जीवन के परिणामों के रूप में उभर रहे संभावित परिदृश्यों का एक भविष्यवादी दृष्टिकोण है।
- यह उपन्यास इस बात की व्याख्या करता है कि कैसे मनुष्य को मशीनों द्वारा गुलाम बनाया गया है, विशेष रूप से ऐसी मशीनों द्वारा जो किसी के निजी जीवन की निगरानी करने हेतु अतिसंवेदनशील है।

## ज्ञानपीठ पुरस्कार:

- ज्ञानपीठ पुरस्कार भारत में सर्वोच्च साहित्यिक पुरस्कार है और इसे केवल एक भारतीय नागरिक को प्रतिवर्ष प्रदान किया जा सकता है।
- भारतीय संविधान (8 वीं अनुसूची) में उल्लिखित अन्य भाषाओं के साथ अंग्रेज़ी में भी यह पुरस्कार प्रदान किया जाता है।
- इस पुरस्कार के अंतर्गत 11 लाख रुपए की नकद राशि, एक प्रशस्ति पत्र और ज्ञान की देवी वाग्देवी (सरस्वती) की एक कांस्य प्रतिकृति प्रदान की जाती है।
- यह सांस्कृतिक संगठन भारतीय ज्ञानपीठ द्वारा प्रायोजित है।
- वर्ष 2018 में लेखक अमिताव घोष ज्ञानपीठ पुरस्कार विजेता बनने वाले पहले अंग्रेजी भाषा के लेखक बने।

- मलयालम भाषा के अक्कीतम अच्युतन नंबूदरी को वर्ष 2019 में ज्ञानपीठ पुरस्कार प्रदान किया गया था।

## अन्य साहित्य अकादमी पुरस्कार:

- साहित्य अकादमी बाल साहित्य पुरस्कार लेखकों द्वारा बाल साहित्य में उनके योगदान के आधार पर दिया जाता है और पुरस्कार वर्ष से तुरंत पहले के पाँच वर्षों के दौरान पहली बार प्रकाशित पुस्तकों से संबंधित है।
- साहित्य अकादमी युवा पुरस्कार 35 वर्ष और उससे कम आयु के लेखक द्वारा प्रकाशित पुस्तकों से संबंधित है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/prelims-facts-15-march-2021